दैनिक भास्कर

11-Feb-2020
Page 4

द्वारा दी गई किताबें भी जेल में रखी जाएँगी। को जयपुर में सम्मानित किया जाएगा। बैग जब्त की। लगे तो वह दूसरी जगह दूध बेचने

कार्यक्रम • सांडवा में साहित्य अकादेमी नई दिल्ली और मरूदेश संस्थान सुजानगढ़ की ओर से हुआ ग्राम लोक कार्यक्रम

राजस्थानी भाषा के संवर्धन में सहायक सिद्ध होंगे ग्राम लोक कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | बीदासर/सुजानगढ़

साहित्य अकादेमी नई दिल्ली और मरूदेश संस्थान सुजानगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को राजकीय लक्ष्मी नारायण तापड़िया उमावि सांडवा में साहित्यिक उत्सव 'ग्राम लोक' कार्यक्रम में कवियों ने काव्य पाठ कर खूब दाद पाई।

मुख्य अतिथि साहित्य अकादेमी की राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य 'आशावादी' ने कहा कि साहित्य अकादेमी की ओर से देशभर में गांव-गांव तक साहित्य पहुंचाने के लिए ग्राम लोक कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें 24 भारतीय भाषाओं के कवि अपनी रचनाएं सुनाकर साहित्यिक वातावरण तैयार करते हैं। ग्राम लोक कार्यक्रम हमारी तरफ से ज्यादा सफल हो रहे हैं, जो राजस्थानी भाषा के संवर्धन में सहायक सिद्ध होंगे। मधु आचार्य ने 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस विद्यालय में मनाने का आह्वान किया। महाकवि कन्हैयालाल सेठिया जन्म शताब्दी वर्ष पर शृंखलाबद्ध रूप से हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य हेमाराम मेघवाल ने की। गुमानसिंह के सानिध्य में हुए वरिष्ठ साहित्यकार अकादमी के सदस्य भंवरसिंह सामौर ने ग्राम लोक आयोजन की पृष्ठभूमि को रेखांकित कर सांडवा ग्राम के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार हरीश बी शर्मा ने 'तपे तावड़ो भोम पर, जावणो जरूरी है, जीवा जितै भायेड़ा, सीवणो जरूरी है.. कविता सुनाकर कार्यक्रम को सार्थक पहल बताया। एड. अशोक प्रजापत ने मातृभाषा की संवैधानिक मान्यता को जनता का अधिकार बताया। व्याख्याता भवानी शंकर मारू, सरपंच संजय कुमार मेघवाल, उपसरपंच शिव शंकर पारीक, राजकुमार नाई, लालचंद सोनी, ब्लॉक मेंबर सुमन मेघवाल आदि ने विचार व्यक्त किए। मरूदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने आभार जताया। संचालन व्याख्याता पवन कुमार नाई ने किया।

'ग्राम लोक' कार्यक्रम में मधु आचार्य 'आशावादी' का सम्मान करते हुए।

ग्राम लोक कार्यक्रम में कवियों ने प्रस्तुतियां देकर पाई दाद

वरिष्ठ रचनाकार बजरंगलाल जेठू ने अपनी रचना 'हुकुम हुए तो पेड्यां पग धरूं, हीय माता आई थारै देवण नै धोक' के माध्यम से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि अजीत सिंह चारण ने गीत 'मिनखा में मिनख घणेरा है, पण मिनखपणै रा टोटा है.. से दाद पाई। गजलकार प्रकाश जांगिड़ ने फांफां मत फेंक-झूठा ढ़ाण रेण दे..., मनोज कुमार चारण ने 'सांवळी सी नार बार गजब कर गी, गुवाड़ बैया बुढ़िया को मन हरगी..., सुनाई। यासिन खां और शोधार्थी पीतांबरी वर्मा ने भी काव्य पाठ किया। अंत में विद्यालय को साहित्य एवं कन्हैयालाल सेठिया का चित्र भेंट किया गया। संस्था के सचिव कमलनयन तोषनीवाल, संयोजक किशोर सैन, रामकुमार माली, सुरेंद्र भंसाली, नरपत गोदारा, बंशीलाल देराश्री, प्यारेलाल सुणिया, हरीप्रसाद जोशी, शिवकुमार शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।